एम पी एस

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(राजनीति विज्ञान)

सत्रीय कार्य
(एम ए द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम)
जुलाई 2024 और जनवरी 2025 सत्रों के लिए

समाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढी, नई दिल्ली – 110068

वैकल्पिक पाठ्यक्रम : एम. ए. द्वितीय वर्ष (राजनीति विज्ञान)

प्रिय विद्यार्थियों,

आपको राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य में वर्णनात्मक एवं संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न विद्यमान हैं। वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न (DCQ) निबंधात्मक प्रकार के उत्तरों के लेखन हेतु बने हैं, जिनमें परिचय तथा निष्कर्ष समाहित होने चाहिए। ये प्रश्न किसी शीर्षक के बारे में आपकी व्यवस्थित समझ, महत्त्वपूर्ण एवं प्रासंगिक तथा सरल तरीके से अपने ज्ञान की व्याख्या क्षमता के परीक्षण के उद्देश्य से बनाए गए हैं। संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न (SCQ) पहले आपसे तर्कों एवं व्याख्याओं के संदर्भ में किसी शीर्षक के विश्लेषण तथा फिर संक्षिप्तता में उत्तर लिखने की अपेक्षा रखते हैं। ये प्रश्न अवधारणाओं, प्रक्रियाओं संबंधी आपकी समझ तथा उनके आलोचनात्मक विश्लेषण की आपकी क्षमता के परीक्षण के लिए बनाए गए हैं।

अपना सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। यह महत्त्वपूर्ण एवं आवश्यक है कि सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर आप अपने शब्दों में हीं दें। आपके उत्तर के शब्दों की सीमा किसी भी श्रेणी के लिए दी गई शब्द सीमा के अनुरूप होनी चाहिए। ध्यान रहे, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लेखनकार्य आपकी लेखन शैली को अधिक बेहतर बनाएगा तथा आपको वार्षिक परीक्षा हेतु तैयार करेगा।

इस लघु पुस्तिका के अंतर्गत एम. ए. राजनीति विज्ञान के द्वितीय वर्ष के सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं। आपको केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को करना है जिनमें आपका नामांकन हुआ है तथा बाकी को छोड़ दीजिए।

जमा करना:

आपको वार्षिक परीक्षा में शामिल होने के लिए सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करना होगा। पूरे किए गए सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार जमा करें :

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2024 सत्र के लिए	31 मार्च 2025	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2025 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2025	

अध्ययन केन्द्र पर जमा किए गए सत्रीय कार्य की प्राप्ति रसीद लेना न भूलें तथा उसे अपने पास सुरक्षित रखें। यदि संभव हो तो पूर्णतः तैयार सत्रीय कार्यों की एक फोटोकॉपी प्रति अपने पास रख लें। सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के बाद अध्ययन केन्द्र द्वारा उसे आपको वापस कर दिया जाएगा। कृपया इसके लिए आप अपनी ओर से भी उन पर जोर डालें। अध्ययन केन्द्र प्रत्येक सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के बाद दिए गए अंकों को नोट करने के बाद उसका रिकार्ड आगे इग्नू, नई दिल्ली के विद्यार्थी मूल्यांकन विभाग [Student Evaluation Division (SED)] के पास भेज देंगें।

सत्रीय कार्य करने के लिए कुछ दिशा–निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार देंगे। निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में रखना आपके लिए लाभप्रद होगा।

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और इकाइयों को ध्यानपूर्वक पढ़ें जिनपर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए कुछ बिन्दु बनाए और उनको तर्क के आधार पर पुनः व्यवस्थित करें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा तैयार करें जिससे आप कुछ बिन्दुओं को चुन सकते हैं और उनको विश्लेषित कर सकते हैं। प्रश्न की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर उचित ध्यान दें:

   यह निश्चित करें कि:

   क) उत्तर तर्क–आधारित और सुसंगत है।

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध है।

   ग) आपकी अपनी अभिव्यक्ति और शैली के अनुसार प्रस्तुत सही है।

3) **प्रस्तुतिः** एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हैं तो जमा कराने के लिए उसका अंतिम रूपांतरण लिख सकते हैं। **यह आवश्यक है कि सभी** सत्रीय कार्य आपकी अपनी लिखाई में सफाई से लिखे हों। यदि आप चाहते हैं तो मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित कर सकते हैं। यह निश्चित करें कि उत्तर निश्चित शब्द सीमा के अंतर्गत है।

शुभकामनाओं के साथ,

भारत एवं विश्व (एमपीएसई–001)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–001/2024-2025
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. उन विभिन्न अभिकरणों (Agencies) की भूमिका की व्याख्या कीजिए जो भारत की विदेश नीति का निर्माण करती हैं।
2. भारत –चीन के मध्य संबंधों के मुख्य मुद्दे क्या हैं। व्याख्या कीजिए।
3. भारत की पड़ोसी प्रथम नीति क्या है? इसकी सफलता और असफलता की व्याख्या कीजिए।
4. भारत की विदेश नीति में इसके आरम्भ से काफी परिवर्तन आया है। पिछले दस वर्षों में हुए मुख्य परिवर्तनों की पहचान कीजिए।
5. 'नेहरूवादी आम सहमति' से आप क्या समझते हैं? व्याख्या कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) भारतीय विदेश नीति की संघीय विशिष्टतायें
   ख) भारत की 'सागर' (SAGAR) नीति

7. क) सार्क (SAARC)
   ख) बिम्सटेक (BIMSTEC)

8. क) गुजराल सिद्धान्त
   ख) नदी जल विवाद

9. क) भारत की परमाणु नीति
   ख) दक्षिण एशिया में हथियारों की होड़

10. क) भारत –पाकिस्तान संबंध
    ख) भारत –नेपाल संबंध

लैटिन अमेरिका में राज्य एवं समाज (एमपीएसई–002)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–002/2024-2025
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. सामयिक लैटिन अमरीका अनेक प्रकार से अपनी औपनिवेशिक विरासत का एक कैदी है। स्पष्ट कीजिए।
2. कैरेबिया में वृक्षारोपड़ अर्थव्यवस्था की विशिष्टताओं का परीक्षण कीजिए।
3. हाल के वर्षों में लैटिन अमेरिकी देशों द्वारा अपनायी गयी नव–उदारवादी आर्थिक नीतीयों के मुख्य अवयवों का वर्णन कीजिए।
4. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः**
   क) लैटिन अमरीका में नये सामाजिक आंदोलनों की विशेषतायें
   ख) मैक्सिको में कृषकीय लोकप्रियता
5. लैटिन अमरीका में खेतीहर मज़दूरों और भूमि अधिकार आंदोलनों पर एक निबंध लिखिए।

भाग – 2

:6. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः**
   क) अर्जेन्टीना के पेरो
   ख) जोस डी. सैम मार्टिन

7. लैटिन अमेरिका का अनुभव यह दर्शाता है कि राजनीतिक लोकतंत्र और आर्थिक विकास एक –दूसरे को प्रोत्साहित करते हैं। चर्चा कीजिए।

8. लैटिन अमरीका में क्षेत्रवाद के विकास का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

9. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः**
   क) लैटिन अमेरिका में लोकतांत्रिक संक्रमण का स्वरूप
   ख) लैटिन अमेरिका मुक्त व्यापार संघ

10. सन् 1853 से 1930 के मध्य यूरोपीय देशों के लिए पैम्पोस का एक 'खाद्य टोकरी' के रूप में उत्थान और पतन का परीक्षण कीजिए।

पश्चिमी राजनीतिक चिंतन (प्लेटो से मार्क्स तक) (एमपीएसई–003)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–003/2024-2025
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. राजनीतिक चिंतन का राजनीतिक सिद्धांत और राजनीतिक दर्शन से कैसे भेद किया जाता है? व्याख्या कीजिए।
2. चर्च और राज्य के मध्य संबंधों पर संत थॉमस ऐक्वीनास की समझ की चर्चा कीजिए।
3. जे. एस. मिल के निम्न कथन पर टिप्पणी करें : ''यह बेहतर है कि कोई असंतुष्ट सुकरात है बनिस्पत इसके कि वह संतुष्ट मूर्ख है''।
4. पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन में संत ऑगस्टीन का क्या प्रभाव रहा है? परीक्षण कीजिए।
5. मैक्यावली द्वारा सरकारों (शासनों) के वर्गीकरण का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) संप्रभु के अधिकारों और दायित्वों पर थॉमस हॉब्स के विचार
   ख) बैंथम का राजनैतिक दर्शन

7. क) प्रतिनिधात्मक शासन पर जे. एस. मिल के विचार
   ख) धर्म और सहनशीलता पर एडमण्ड बर्क के विचार

8. क) मानव प्रकृति का इमैनुअल काँट का पराभौतिक–आदर्शवादी दृष्टिकोण
   ख) धर्म पर एलैक्स द तॉकवी के विचार

9. क) प्लैटो की क्रियाविधि
   ख) हेगेल का राज्य का सिद्धान्त

10. क) मार्क्स का ऐतिहासिक भौतिकवाद
    ख) नागरिक समाज और सामाजिक समझौते पर जॉन लॉक के विचार

आधुनिक भारत में सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन (एमपीएसई–004)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–004/2024-2025
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. पूर्व–आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन में धर्म और राजनीति के अंतःसंबंधों की चर्चा कीजिए।
2. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में श्री अरोबिंदो की समालोचना का परीक्षण कीजिए।
3. 19वीं शताब्दी के आरंभ में भारत में राष्ट्रवाद के उदय की जांच कीजिए।
4. नकारात्मक और सकारात्मक हिंदुत्व पर एम.एस. गोलवालकर के विचारों का परीक्षण कीजिए।
5. जाति व्यवस्था और इसके विध्वंस पर डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के विचारों की चर्चा कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) राष्ट्रवाद पर स्वामी विवेकानन्द के विचार
   ख) डॉ. राम मनोहर लोहिया के समाजवादी विचार

7. क) उपनिवेशिक काल में साम्राज्यवादी आंदोलनों में मुसलमानों की भूमिका
   ख) जवाहरलाल नेहरू की धर्मनिरपेक्षता की संकल्पना

8. क) हिंदु–मुस्लिम एकता पर सर सैयद अहमद खान
   ख) द्रविड़ लामबंदी पर ई. वी. रामास्वामी नायकर

9. क) गांधी के राजनैतिक परिप्रेक्ष्य के दार्शनिक आधार
   ख) जवाहरलाल नेहरू का वैज्ञानिक मानवतावाद

10. क) एम. एन. रॉय का परिवर्तनकारी मानवतावाद
    ख) रवींद्रनाथ टैगोर की राष्ट्रवाद की समालोचना

अफ्रीका में राज्य एवं समाज (एमपीएसई–005)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–005/2024-2025
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. अफ्रीका में दासों के व्यापार पर यूरोपीय प्रभावों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
2. अफ्रीका में राष्ट्रवाद के उदय और स्वतंत्रता आंदोलनों की व्याख्या कीजिए।
3. अफ्रीका में सैन्य और एकाधिकारवादी शासनों के उदय के लिए जिम्मेदार कारकों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
4. अफ्रीका में विदेशी व्यापार और विनिवेश के विभिन्न विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
5. क्षेत्रीय संगठन के निर्माण में उप–सहारा अफ्रीका के प्रभाव का वर्णन कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) भारत –अफ्रीका संबंध
   ख) अफ्रीका में हिंसात्मक संघर्षों के कारण

7. क) अर्न्तराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में अफ्रीका की स्थिति
   ख) असहयोग आंदोलन (NAM) और अफ्रीका

8. क) शीत–युद्ध के पश्चात् शांति अभियान
   ख) अफ्रीका में चीन की भूमिका

9. क) अफ्रीका में मानव सुरक्षा
   ख) अफ्रीका में संरचनात्मक समन्वय कार्यक्रम (SAP)

10. क) अफ्रीका में प्रत्यक्ष हिंसा
    ख) नेपेड (NEPAD)

शांति और संघर्ष अध्ययन (एमपीएसई–006)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–006/2024-2025
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. शांति के प्रति नारीवादी दृष्टिकोण की मुख्य विशेषताओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :**

   क) प्रत्यक्ष और संरचनात्मक हिंसा

   ख) शांति के प्रति पर्यावरणीय दृष्टिकोण

3. संघर्ष के प्रबंधन में राज्य की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

4. विद्रोह (Insurgency) को परिभाषित कीजिए और विभिन्न प्रकार के विद्रोहों का परीक्षण कीजिए।

5. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :**

   क) युद्ध के कारणों का वॉल्ट्ज का विश्लेषण
   ख) आत्म–सुरक्षा के अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र का घोषणापत्र

भाग – 2

6. यद्यपि हथियारों पर नियंत्रण और निःशस्त्रीकरण, दोनों पदों को एक–दूसरे के लिए उपयोग किया जाता है, जबकि सैन्य स्थिरता के लिए ये दोनों अलग–अलग दृष्टिकोण हैं। व्याख्या कीजिए।

7. एशिया में शांति बहाली उपायों (CBMs) की विशिष्ट विशेषताओं का परीक्षण कीजिए और व्याख्या कीजिए कि ये किस प्रकार से यूरोप के उपायों से अलग हैं?

8. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :**

   क) हथियार नियंत्रण के उपाय के रूप में आईएनएफ (INF) संधि
   ख) परमाणु निरोध

9. संघर्ष रोकथाम और संघर्ष निवारण में क्षेत्रीय संगठनों की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

10. **प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :**

    क) अर्न्तराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय
    ख) विश्व व्यापार संघ की विवाद समाधान कार्यविधि

भारत में सामाजिक आंदोलन एवं राजनीति (एमपीएसई–007)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–007/2024-2025
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. दलितों की राजनीतिक लामबंदी और बहुजन समाज पार्टी की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
2. सामाजिक आंदोलनों के परिप्रेक्ष्य में संसाधन संग्रहण सिद्धान्त और सापेक्ष पृथक्करण सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।
3. भारत में सामाजिक आंदोलनों के अध्ययन के लिए प्रयुक्त होने वाले विभिन्न दृष्टिकोणों की व्याख्या कीजिए।
4. भारत में नृ–जातीय आंदोलनों के उद्भव को दिशा देने वाले प्रमुख कारकों की चर्चा कीजिए।
5. भारत मे आरक्षण की राजनीति और इसके निहितार्थों का विश्लेषण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) अखिल भारतीय मज़दूर संघ सभा (AITUC)
   ख) भारतीय किसान संघ (BKU)

7. क) असम के बोडो और स्वायत्तता के लिए उनका संघर्ष
   ख) नर्मदा बचाओ आंदोलन

8. क) मानव विकास सूचकांक
   ख) नये सामाजिक आंदोलन

9. क) केरल में मछुआरा जन आंदोलन
   ख) भारत में महिलाओं के आंदोलन

10. क) चिपको आंदोलन और एप्पिको आंदोलन
    ख) वैश्वीकरण और किसानों का आंदोलन

भारत में राज्यीय राजनीति (एमपीएसई–008)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–008/2024-2025
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. भारतीय राज्यों के मध्य जल–विवादों की राजनीति और उसके प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।
2. भारत में नक्सलवादी आंदोलनों और उनके सामाजिक–राजनीतिक प्रभावों का परीक्षण कीजिए।
3. भारत में क्षेत्रीय विषमताओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
4. उन संवैधानिक संशोधनों का परीक्षण कीजिए जो भारत में केन्द्र–राज्य संबंधों को प्रभावित करते हैं।
5. भारतीय कृषि और समाज में हरित क्रांति के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) कांग्रेस प्रणाली का पतन
   ख) स्वतंत्र भारत में राज्यों का पुर्ननिर्माण

7. क) चुनाव सुधार
   ख) केन्द्र–राज्य संबंधों में विवादित क्षेत्र

8. क) कृषकीय संरचना में ज़मींदारी प्रथा के उन्मूलन का प्रभाव
   ख) भारत में राज्य स्वायत्तता आंदोलन

9. क) दलित पैंथर आंदोलन
   ख) राज्यीय राजनीति के अध्ययन मे मार्क्सवादी संरचना

10. क) भारतीय राज्यों में औद्यौगिकीकरण के प्रतिरूप
    ख) भारत में भूमि–सुधार आंदोलनों की सीमायें

कनाडा : राजनीति एवं समाज (एमपीएसई–009)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–009/2024-2025
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. कनाडा की सरकार द्वारा मूलनिवासियों के स्वशासन के लिए राजनीतिक संरचना विकसित करने हेतु क्या उपाय किए गये हैं?
2. कनाडा में बहुसंस्कृतिवाद की विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।
3. कनाडाई उदार अर्न्तराष्ट्रीयतावादी माध्यमिक शासन कौशल के पहलुओं के विशिष्ट गुणों का संक्षिप्त परीक्षण कीजिए।
4. कनाडा के संघीय स्वरूप को प्रभावित करने वाले विकेन्द्रीयकरण से जुड़े मुद्दों का परीक्षण कीजिए।
5. शीत–युद्ध के दौरान के वर्षों में भारत–कनाडा संबंधों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) कनाडा में संघवाद
   ख) गर्वनर जनरल की शक्तियाँ और कार्य

7. क) कनाडा का मानव सुरक्षा का प्रारूप जो उसकी विदेश नीति में झलकता है।
   ख) कनाडा में दल प्रणाली

8. क) कनाडा में नागरिक समाज और शासन
   ख) कनाडा में वैश्वीकरण विरोधी आंदोलनों के दौरान लिए गये मुद्दे

9. क) क्यूबेक राष्ट्रवाद
   ख) कनाडा में पश्चिमी प्रान्तों की शिकायतें

10. क) कनाडा में नृ–जातीय और नस्लवादी समूह
    ख) कनाडा में नीति समुदाय और दबाव समूह

विश्व के मामलों में यूरोपियन यूनियन (एमपीएसई–011)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–011/2024-2025
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. यूरोपीय क्षेत्रीय एकीकरण की प्रक्रिया की व्याख्या करने के लिए, सामन्तवाद का एक सिद्धान्त के रूप में, आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
2. यूरोपीय संसद के संविधान, भूमिका और कार्यों का विश्लेषण कीजिए।
3. भारत –यूरोपीय संघ (EU) के संबंधों के स्वरूपों की जांच कीजिए।
4. यूरोपीय संघ की सामूहिक कृषि नीति का विश्लेषण कीजिए।
5. यूरोपीय संघ की जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण हेतु नीति का विश्लेषण कीजिए।

भाग – 2

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी लिखें :

6. क) चीन–यूरोपीय संघ (EU) संबंध
   ख) यूरोपीय संघ और इसके संस्थानों में निर्णय लेने की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।

7. क) एकल मुद्रा के लाभ
   ख) यूरोपीय संघ (EU) के प्रति संयुक्त गणराज्य (UK) का दृष्टिकोण

8. क) यूरोप और दक्षिण एशिया में क्षेत्रवाद की तुलना कीजिए।
   ख) एम्सट्र्डम संधि

9. क) यूरोपीय एकीकरण का नव–कार्यात्मक सिद्धान्त
   ख) आर्थिक और मौद्रिक संघ

10. क) संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) –यूरोपीय संघ (EU) संबंध
    ख) भारत –यूरोपीय संघ (EU) रणनीतिक सहयोग

ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज (एमपीएसई–012)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–012/2024-2025
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. ऑस्ट्रेलियाई जनसंख्या की मुख्य विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।
2. अतीत में ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय पहचान को किस प्रकार देखा जाता था? यह क्यों और कैसे बदल रही है?
3. ऑस्ट्रेलिया के बहुसंस्कृतिवाद के उद्भव की व्याख्या कीजिए।
4. ऑस्ट्रेलिया के संविधान में उल्लेखित ऑस्ट्रेलियाई सीनेट की भूमिका और शक्तियों का वर्णन कीजिए।
5. वैश्विक अर्थव्यवस्था के संदर्भ में ऑस्ट्रेलिया की आर्थिक शक्ति और इसके आगे के लिए दिशा की जांच कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रसार (प्रवासी)
   ख) ऑस्ट्रेलिया में राजनीतिक दलों की भूमिका

7. क) ऑस्ट्रेलिया में विकास रणनीतियां
   ख) ऑस्ट्रेलिया में घरेलू अर्थव्यवस्था और वैश्वीकरण

8. क) कोविड के पश्चात् ऑस्ट्रेलिया –चीन के संबंध
   ख) भारत–ऑस्ट्रेलिया संबंधों में, शिक्षा एक कारक के रूप में

9. क) ऑस्ट्रेलिया मे संघीय ढ़ाँचा
   ख) ऑस्ट्रेलिया में दवाब समूह

10. क) ऑस्ट्रेलिया और हिन्द महासागर
    ख) ऑस्ट्रेलिया में अप्रवासियों की चुनौतियाँ

ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति (एमपीएसई–013)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–013/2024-2025
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति का निर्माण करने वाले कारको का परीक्षण कीजिए।
2. शीत युद्ध के दौरान अमेरिका–ऑस्ट्रेलिया संबंधों की व्याख्या कीजिए।
3. चीन और ऑस्ट्रेलिया के मध्य आर्थिक संबंधों की व्याख्या कीजिए।
4. ऑस्ट्रेलिया में संघवाद की कार्यप्रणाली को प्रभावित करने वाले कारकों का परीक्षण कीजिए।
5. वैश्वीकरण के युग में उन चुनौतियाँ का परीक्षण कीजिए जिनका सामना ऑस्ट्रेलिया को अपने व्यापार और निवेश के संबंध में करना पड़ रहा है।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) ऑस्ट्रेलिया में संघवाद के नये स्वरूप
   ख) ऑस्ट्रेलिया में सीनेट और कार्यपालिका के मध्य संबंध

7. क) ऑस्ट्रेलिया के जैवविविधता के विशिष्ट लक्षण
   ख) ऑस्ट्रेलिया में पर्यावरणीय विधान

8. क) चीन की मुक्त द्वार नीति का ऑस्ट्रेलिया की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव
   ख) विश्व व्यापार संगठन (WTO) के सुदृढ़ीकरण में ऑस्ट्रेलिया का प्रयास

9. क) भारत–ऑस्ट्रेलिया संबंध और क्वाड (QUAD)
   ख) वैश्वीकरण के दौर में ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था की प्रकृति

10. क) ऑस्ट्रेलिया में मानव अधिकार का मुद्दा
    ख) परमाणु हथियारों की भूमिका में ऑस्ट्रेलिया का स्थान

सतत् विकास : मुद्दे एवं चुनौतियां (एमईडी–002)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमईडी–002/2024-2025
पूर्णांकः 100

टिप्पणीः यह सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर कोष्ठक में दिये गए हैं। कृपया अपने शब्दों में उत्तर दें, पाठ्यक्रम सामग्री से नकल न करें।

1. उचित उदाहरणों सहित सतत् विकास की अवधारणा का वर्णन कीजिए। सतत् विकास के सम्मुख आने वाले प्रमुख मुद्दों और चुनौतियों का वर्णन कीजिए। (10)
2. उचित उदाहरणों सहित अंर्त(inter)–पीढ़ीगत और अंतः(intra)–पीढ़ीगत समानता और न्याय के बीच विभेद कीजिए। उदाहरण देकर चर्चा कीजिए कि किस प्रकार लैंगिक(जैंडर) असमानता, पर्यावरण संरक्षण और सतत् विकास को बाधित करती है। (10)
3. एक सकारात्मक और सतत् जीविकोपार्जन की दिशा में, नियमों और सत्ता संरचना को परिवर्तित करने के लिए, प्रमुख शासनात्मक मुद्दों की व्याख्या कीजिए। (10)
4. पर्यावरण संबंधी विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों की चर्चा कीजिए। सतत् विकास को प्राप्त करने हेतु पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाये गये विभिन्न कदमों का आंकलन कीजिए। (10)
5. भारत में पर्यावरणीय कानूनों और उनके कार्यान्वयन की व्याख्या कीजिए। (10)
6. उचित उदाहरणों सहित असमानता के विभिन्न सूचकों (संकेतकों)का वर्णन कीजिए। (10)
7. निम्नलिखित में से प्रत्येक को लगभग 250 शब्दों में समझाइएः (5X4=20)
   (क) सहकारिता और सतत् विकास
   (ख) सतत् विकास में सामुदायिक ज्ञान
   (ग) वैश्विक पहलों के लिए बाधाएं
   (घ) पर्यावरण संरक्षण के लिए क्षेत्रीय पहल
8. निम्नलिखित प्रत्येक को लगभग 250 शब्दों में समझाइएः (5X4=20)
   (क) सतत् विकास पर समुदाय–आधारित नागरिक समाज की पहल
   (ख) सतत् विकास के लिए वैज्ञानिक और पारंपरिक ज्ञान का एकीकरण
   (ग) सतत् कृषि पद्धतियाँ
   (घ) जल संसाधनों हेतु सतत् विकास में नवीन पद्धतियाँ

भूमण्डलीकरण और पर्यावरण (एमईडी–008)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमईडी–008/2024-2025
पूर्णांकः 100

टिप्पणीः यह सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर कोष्ठक में दिये गए हैं। कृपया अपने शब्दों में उत्तर दें, पाठ्यक्रम सामग्री से नकल न करें।

1. पृथ्वी पर ग्रीनहाउस प्रभाव की संक्षेप में चर्चा कीजिए। व्याख्या कीजिए कि वैश्वीकरण किस प्रकार से वृहद् स्तर पर पारिस्थितिक तंत्र के विघटन के लिए जिम्मेदार है। (5X2=10)
2. विभेद कीजिएः
   (क) बाढ़ और सूखा (5)
   (ख) आकस्मिक और घातक आपदाएं (5)
3. उत्तर–दक्षिण विभाजन का क्या अर्थ है? आर्थिक वैश्वीकरण में MNCs, TNCs और IFIs की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (2.5+7.5=10)
4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः (3.5+3.5+3=10)
   (क) रियो+5 और रियो+10
   (ख) जैव विविधता सम्मेलन
   (ग) यूएनईपी (UNEP)
5. अंतरराष्ट्रीय वायु प्रदूषण से संबंधित कोई पांच बहुपक्षीय समझौतों का उल्लेख कीजिए। विश्व बैंक के पर्यावरणीय मसौदे की चर्चा कीजिए। (5+5=10)
6. श्रीलंका के विशेष संदर्भ में, दक्षिण एशिया के पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। (5+5=10)
7. गैर–सरकारी संगठन (NGO) को परिभाषित कीजिए। इसकी उत्पत्ति की व्याख्या कीजिए और गैर–सरकारी संगठनों के विभिन्न दृष्टिकोणों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। (2+8=10)
8. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखेंः (5X6=30)
   (क) चिल्का बचाओ आंदोलन और चिपको आंदोलन
   (ख) भारत में बीज आत्महत्याएं (Seed Sucides)
   (ग) खाद्य सुरक्षा की स्थिरता के संकेतक
   (घ) पर्यावरणीय दृष्टि से सार्थक(गहन) प्रौद्यौगिकियाँ
   (ड़) पर्यावरणीय नैतिकता
   (च) वायु प्रदूषण को रोकने में न्यायपालिका की भूमिका

पाठ्यक्रमः गांधी का राजनैतिक चिंतन (एम जी पी–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. औद्यौगीकरण की प्रक्रिया के सम्बन्ध में गांधी की आलोचना का विश्लेषण कीजिए।
2. संघर्ष के समाधान में 'साध्य' और 'साधनों' के महत्व पर गांधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।
3. गांधी के अनुसार आर्थिक समानता अहिंसक आत्मनिर्भता की 'प्रमुख चाबी' है। चर्चा कीजिए।
4. गांधी के अनुसार शक्ति और प्राधिकार के केन्द्रीयकृत होने के परिणामस्वरुप भ्रष्टाचार बढ़ता है और इसलिए उन्होंने शक्ति को विकेन्द्रीय करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। 21वीं सदी में इसकी प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए।
5. फ़ासीवाद और नस्लवाद के बीच विशिष्ट सम्बन्धों की समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) व्यक्तिगत स्वायत्तता की गांधी की अवधारणा
   ख) *सत्याग्रह,* संघर्ष समाधान के एक उपाय के रूप में

7. क) गांधीवादी शांतिवाद के मुख्य तत्व
   ख) गांधी दर्शन में संरचनात्मक कार्यक्रम की भूमिका

8. क) उपनिवेशवाद बनाम साम्राज्यवाद
   ख) *'अहिंसा'* की अवधारणा

9. क) समाजवाद में सामाजिक परिवर्तन और सत्ता का पुर्नवितरण
   ख) 'संरचनात्मक हिंसा' को रोकने के लिए गांधी के विचार

10. क) संघर्ष और इसके समाधान
    ख) राज्य, दायित्व और नागरिक अवज्ञा

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसक आन्दोलन (एम जी पी ई–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–2025
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग –I

1. भारतीय परिदृश्य के विशेष संदर्भ में, निषेध आंदोलन व इसके प्रभाव की समीक्षा कीजिए।
2. अहिंसात्मक आंदोलनों की गतिकी (dynamics) क्या है? ये किस प्रकार के परिणाम उत्पन्न करते हैं?
3. बांध निर्माण किस प्रकार पारिस्थितिकी संतुलन को परिवर्तित करते हैं? समुचित उदाहरणों सहित सविस्तार वर्णन कीजिए।
4. प्रतिनाभिकीय अभियानों के विशेष संदर्भ में, यूरोप में ग्रीनपीस के प्रमुख प्रयासों की गणना कीजिए।
5. संयुक्त राज्य अमरीका में नागरिक अधिकार आंदोलन क्या था? इसके संबंध मे डेमाक्रेट्स (जनतंत्रवादियों) और रिपब्लिकन्स (गणराज्यवादियों) के क्या विचार हैं?

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) राष्ट्रीय जल जागरूकता अभियान
   ख) पोलैण्ड में एकजुटता आन्दोलन का उद्भव
7. क) चिपको आंदोलन
   ख) नर्मदा बचाओ आंदोलन
8. क) गांधी –पर्यावरणीय हितों के समर्थक के रूप में
   ख) संपूर्ण क्रांति में कार्यवाही का तरीका
9. क) मदिरा कर पर गांधी के विचार
   ख) दक्षिण अफ्रीका में रंग–भेद प्रथा
10. क) किसान आंदोलनों की विचारधारा
    ख) ग्रामदान आंदोलनों की प्रमुख विशेषतायें

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण
(एम जी पी ई–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. स्पष्ट कीजिए कि गांधी ने क्यों अपना मिशन और यात्रा, नोआखाली में जाने के लिए किया। क्या आप इसके तार्किक आधारों से सहमत हैं?

2. संघर्ष समाधान के गांधीवादी दृष्टिकोण के मूल तत्वों और संकल्पनाओं के संबंध में आपकी क्या समझ हैं? स्पष्ट कीजिए।

3. यह कहा गया है कि गांधी की *अहिंसा* की संकल्पना शांतिवाद से भिन्न है। क्या आप इससे सहमत हैं?

4. '*सत्याग्रह* एक संघर्ष समाधान का जीवनक्षम, स्वायत्त निर्माण प्रणाली है।' (थॉमस वेबर)। क्या आप इससे सहमत हैं?

5. शांतिपूर्ण सामाजिक व्यवस्था को समुन्नत करने में शिक्षा की भूमिका की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) शांति प्रक्रिया में जन–भागीदारी
   ख) संघर्ष के विशिष्ट स्त्रोत

7. क) सामयिक विश्व में बातचीत और सौदेबाजी की प्रासंगिकता
   ख) प्रत्यक्ष और संगठनात्मक हिंसा के बीच अंतर

8. क) सकारात्मक शांति की अवधारणा
   ख) अनशन पर गांधी के विचार और वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता

9. क) 'हड़तालों की नैतिकता' पर गांधी के विचार
   ख) सामुदायिक शांति का गांधी का दृष्टिकोण

10. क) सौहार्द्धपूर्ण समाज के निर्माण मे सहनशीलता की भूमिका
    ख) शांति सेना का विचार और संघर्ष समाधान में इसकी भूमिका

पाठ्यक्रमः संघर्ष प्रबंधन (एम जी पी ई–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–010/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. संघर्ष–उपरान्त् पुर्ननिर्माण और पुर्नवास से आप क्या समझते हैं? इस कार्य में संचार माध्यमों (मीडिया) की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

2. जॉन गाल्टुंग द्वारा प्रतिपादित प्रत्यक्ष, संरचनात्क और सांस्कृतिक हिंसा की अवधारणा की विवेचना कीजिए।

3. संघर्ष प्रबंधन से आप क्या समझते है? संघर्ष प्रबंधन के सामाजिक और पर्यावरणीय आयाम क्या हैं? परीक्षण कीजिए।

4. विकासशील समाजों में संघर्ष समाधान में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका की जांच कीजिए।

5. गांधी की स्वराज की अवधारणा क्या है? इससे कैसे सर्वोदय और अन्त्योदय के लिए मार्ग प्रशस्त होता है?

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) विश्व बैंक और अर्न्तराष्ट्रीय मुद्रा कोष की भूमिका
   ख) गांधी की दृष्टि में आधुनिक विश्व में भारत का स्थान

7. क) संघर्ष रूपान्तरण
   ख) अर्न्तवैयक्तिक संघर्ष

8. क) शांति निर्माण के लिए नारीवादी दृष्टिकोण
   ख) संघर्ष प्रबंधन के सामाजिक और पर्यावरणीय आयाम

9. क) चम्पारन सत्याग्रह
   ख) संघर्ष पश्चात् रूपान्तरण में राजनैतिक जनतंत्र उपागम

10. क) अफगानिस्तान के पुर्ननिर्माण में भारत की भूमिका
    ख) संघर्ष रूपान्तरण के लिए अहिंसावादी उपागम

पाठ्यक्रमः मानव सुरक्षा (एम जी पी ई–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–011/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. दक्षिण एशिया –राजनीतिक हिंसा के विभिन्न प्रकारों का क्षेत्र है। इस क्षेत्र के किसी भी एक देश का उदाहरण देते हुए अपने विचार प्रकट कीजिए।

2. आतंकवाद राजनीतिक हिंसा का एक असममित (अव्यवस्थित) रूप है। व्याख्या कीजिए।

3. पर्यावरणीय, खाद्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में, बाहरी हस्तक्षेप के –सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव क्या हैं? वर्णन कीजिए।

4. मानव सुरक्षा पर संयुक्त राष्ट्र मिलेनियम रिपोर्ट (2002) में स्थापित लक्ष्य और उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए।

5. एकीकृत बाल विकास सेवाएँ उपलब्ध कराने में भारत सरकार की विभिन्न पहलों का वर्णन कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) भारत में गरीबी उन्मूलन
   ख) खाद्य सुरक्षा और उसका महत्व

7. क) भारत में महिलाओं का हाशियाकरण
   ख) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग : मुद्दे और चुनौतियाँ

8. क) वैश्विक स्तर पर मानव सुरक्षा का गांधीवादी दृष्टिकोण
   ख) 1993 का वियना घोषणापत्र और कार्यक्रम की रूपरेखा

9. क) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम
   ख) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण

10. क) मानव तस्करी, जेंडर और पर्यावरणीय मुद्दे
    ख) शहरी असंगठित मजदूरों की समस्यायें

पाठ्यक्रमः नागरिक समाज, राजनैतिक शासन और संघर्ष (एम जी पी ई–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–013/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. नागरिक समाज की पारम्परिक अवधारणा और इसकी आधुनिक राज्यव्यवस्था में कार्यात्मक संस्था के रूप में सीमाओं का वर्णन कीजिए।

2. 'गांधी के लिए स्वराज आत्म–निर्भरता और स्व–शासन है।' स्पष्ट कीजिए।

3. 'भूमण्डलीकरण प्रक्रिया बाजार, राज्य और नागरिक समाज के बीच के समीकरण को कठोरता से परिवर्तित कर रही है।' व्याख्या कीजिए।

4. गैर–सरकारी संगठनों (NGOs) की भूमिका और प्रासंगिकता पर उपयुक्त उदाहरणों सहित टिप्पणी कीजिए।

5. शांति की संस्कृति क्या है? इसकी –संकल्पना के रूप में विकास की, खोज कीजिए और इसकी विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) बारूदी सुरंगों (लैंड माइनों) पर प्रतिबंध लगाने के लिए अंर्तराष्ट्रीय अभियान
   ख) भारतीय शांति आन्दोलनों की उपलब्धियाँ और सीमायें

7. क) गरीबी और भुखमरी उन्मूलन के लिए ग्रामीण बैंक की कार्यप्रणाली
   ख) गांधीवादी नागरिक समाज : वैश्विक शांति के लिए प्रत्युत्तर

8. क) शांति आंदोलनों के उद्‌भव और विकास का पता लगाइये।
   ख) ग्राम्शी की नागरिक समाज की अवधारणा

9. क) मानवाधिकारों का सार्वभौम घोषणापत्र (UDHR)
   ख) पंचायती राज संस्थाऐं

10. क) राज्य और नागरिक समाज के मध्य अर्न्तसंबंध
    ख) विभिन्न प्रकार के राजनीतिक शासन